© INNOVATIVE RESEARCH THOUGHTS
Refereed | Peer Reviewed | Indexed
ISSN : 2454 – 308X | Volume : 09 , Issue : 04 | July - September 2023

सुचेता कृपलानी के काल में उत्तर प्रदेश की स्थिति

संगीता कुमारी
शोधार्थी, इतिहास विभाग, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, अस्थल बोहर, रोहतक, हरियाणा
ईमेल – naresh09071985@gmail.com
डॉ विनय कुमार पाठक
प्रोफेसर, इतिहास विभाग, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, अस्थल बोहर, रोहतक, हरियाणा
ईमेल – dr.vkpathak202@gmail.com

सार

यह शोध पत्र राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में सुचेता कृपलानी के कार्यकाल के दौरान उत्तर प्रदेश की राजनीतिक और सामाजिक–आर्थिक स्थिति की पड़ताल करता है। सुचेता कृपलानी, एक प्रमुख नेता और स्वतंत्रता सेनानी, ने 1963 से 1967 तक उत्तर प्रदेश की पहली महिला मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। इस शोध पत्र का उद्देश्य उनके कार्यकाल के दौरान लागू किए गए विकास, चुनौतियों और नीतियों का व्यापक विश्लेषण प्रदान करना है। राज्य की प्रगति पर उनके नेतृत्व के प्रभाव पर है।

मुख्य शब्द : मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश, स्थिति, वित्त , इत्यादि।

प्रस्तावना

1963 से 1967 तक उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री के रूप में सुचेता कृपलानी के कार्यकाल के दौरान, राज्य में महत्वपूर्ण विकास और नीतिगत पहल देखी गईं। प्रमुख क्षेत्रों में से एक कृषि सुधार था, जिसका उद्देश्य किसानों के जीवन में सुधार लाना था। सरकार ने कृषि उत्पादकता बढ़ाने, आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने और बेहतर सिंचाई और भंडारण सुविधाएं प्रदान करने के उपाय पेश किए। इस अवधि के दौरान औद्योगिक विकास एक और प्राथमिकता थी, सरकार ने निवेश आकर्षित करने और उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा देने के लिए नीतियां लागू कीं। उत्तर प्रदेश ने कपड़ा, चीनी, रसायन और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में विस्तार का अनुभव किया, जिसने राज्य के आर्थिक विकास में योगदान दिया। शिक्षा और सामाजिक कल्याण पर भी ध्यान दिया गया। विशेष रूप से लड़कियों के लिए शिक्षा तक पहुंच में सुधार के प्रयास किए गए, और स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाने, वंचितों के लिए आवास प्रदान करने और हाशिए पर रहने वाले समुदायों के उत्थान के लिए विभिन्न सामाजिक कल्याण कार्यक्रम शुरू किए गए। बुनियादी ढांचे का विकास कृपलानी सरकार का एक महत्वपूर्ण ध्यान था। राज्य के समग्र बुनियादी ढांचे को बढ़ाने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सड़क और परिवहन नेटवर्क के विस्तार, बिजली उत्पादन और शहरी विकास में निवेश किया गया। सुचेता कृपलानी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता पर भी जोर दिया गया। महिलाओं की शिक्षा, रोजगार के अवसरों और सार्वजनिक जीवन में भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए नीतियां पेश की गईं, जो उत्तर प्रदेश की पहली महिला मुख्यमंत्री के रूप में उनकी ऐतिहासिक भूमिका को दर्शाती हैं।

किसानों के लिए उत्पादकता, आधुनिक तकनीक और बुनियादी ढांचे को बढ़ाना

1963 से 1967 तक उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री के रूप में सुचेता कृपलानी के कार्यकाल के दौरान, महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक कृषि सुधार था जिसका उद्देश्य किसानों की उत्पादकता और कल्याण को बढ़ाना था। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरकार ने विभिन्न उपाय लागू किये। आधुनिक कृषि तकनीकों और प्रथाओं को शुरू करके कृषि उत्पादकता में सुधार के प्रयास किए गए। किसानों को पैदावार बढ़ाने और पर्यावरणीय क्षरण को कम करने के लिए खेती के नए तरीकों, फसल चक्र और मिट्टी संरक्षण को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस तरह की पहल का उद्देश्य राज्य में कृषि पद्धतियों की समग्र दक्षता और स्थिरता को बढ़ाना है। आधुनिक तकनीकों के अलावा, सरकार ने कृषि बुनियादी ढांचे के विकास को भी प्राथमिकता दी। सिंचाई सुविधाओं में सुधार, विश्वसनीय जल स्रोतों तक पहुंच प्रदान करने और भंडारण और प्रसंस्करण इकाइयों के निर्माण में निवेश किया गया। इन ढांचागत विकासों का उद्देश्य पानी की कमी के मुद्दों को संबोधित करना, कटी हुई फसलों का उचित भंडारण सुनिश्चित करना और कृषि उपज में मूल्यवर्धन की सुविधा प्रदान करना है। इसके अलावा, सरकार ने ऋण और वित्तीय सहायता के प्रावधान के माध्यम से किसानों का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित किया। किसानों को संस्थागत ऋण तक आसान पहुंच प्रदान करने, उन्हें आधुनिक कृषि आदानों और उपकरणों में निवेश करने में सक्षम बनाने के लिए पहल शुरू की गई। किफायती ऋण की उपलब्धता का उद्देश्य किसानों की वित्तीय स्थिरता में सुधार करना और उन्हें उत्पादकता बढ़ाने के लिए आवश्यक निवेश करने में सक्षम बनाना है। आधुनिक तकनीकों, बुनियादी ढांचे के विकास और वित्तीय सहायता को शामिल करते हुए कृषि सुधारों को प्राथमिकता देकर, सुचेता कृपलानी के नेतृत्व में सरकार ने उत्तर प्रदेश में कृषि क्षेत्र का उत्थान करने का लक्ष्य रखा। इन प्रयासों का उद्देश्य किसानों की आजीविका में सुधार, कृषि उत्पादन में वृद्धि और राज्य के दीर्घकालिक लाभ के लिए टिकाऊ कृषि पद्धतियों को सुनिश्चित करना था।

महिलाओं की शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में भागीदारी को बढ़ावा देना

उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री के रूप में सुचेता कृपलानी के समय में एक और महत्वपूर्ण महिलाओं की शिक्षा, रोजगार के अवसरों और सार्वजनिक जीवन में भागीदारी को बढ़ावा देना था। सरकार ने महिलाओं को सशक्त बनाने के महत्व को पहचाना और इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए विभिन्न पहल लागू कीं। शिक्षा के क्षेत्र में, लड़कियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच में सुधार के प्रयास किए गए। नामांकन दर बढ़ाने और साक्षरता में लैंगिक असमानताओं को कम करने पर विशेष जोर दिया गया। सरकार ने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक स्कूल स्थापित करने के लिए कार्यक्रम शुरू किए और लड़कियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए छात्रवृत्ति और प्रोत्साहन प्रदान किए। इन उपायों का उद्देश्य बाधाओं को तोड़ना और लड़कियों के लिए समान शैक्षिक अवसरों को बढ़ावा देना है, जिससे उन्हें ज्ञान और कौशल के साथ सशक्त बनाया जा सके।

कृपलानी सरकार ने महिलाओं की रोजगार संभावनाओं को बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित किया। नौकरी के अवसर पैदा करने और कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न नीतियां और

कार्यक्रम पेश किए गए। इसमें कौशल विकास पहल, व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम और महिला उद्यमियों के लिए समर्थन शामिल था। इसका उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना, वित्तीय स्वतंत्रता प्रदान करना और राज्य के समग्र विकास में उनके योगदान को बढ़ावा देना था। इसके अलावा, सरकार ने सार्वजनिक जीवन और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया। स्थानीय शासन निकायों, जैसे कि पंचायतों और नगर पालिकाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए कदम उठाए गए। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को बढ़ावा देकर, सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना था कि उनकी आवाज सुनी जाए, उनकी चिंताओं का समाधान किया जाए और उनके दृष्टिकोण को नीति–निर्माण और शासन में शामिल किया जाए। सुचेता कृपलानी के नेतृत्व में महिलाओं की शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में भागीदारी को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करना लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इन पहलों का उद्देश्य सामाजिक बाधाओं को तोड़ना, एक अधिक समावेशी और न्यायसंगत समाज का निर्माण करना और समग्र रूप से उत्तर प्रदेश की प्रगति के लिए महिलाओं की अपार क्षमता और प्रतिभा का उपयोग करना है।

योजना आयोग, वित्त आयोग

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में सुचेता कृपलानी के कार्यकाल के दौरान योजना आयोग, वित्त आयोग और राज्य के वरिष्ठ अधिकारी नीतियों और विकास एजेंडे को आकार देने और मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण थे। योजना आयोग ने राज्य की विकास योजनाओं को तैयार करने और लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसने प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करने, संसाधनों का आवंटन करने और कृषि, उद्योग, बुनियादी ढांचे, शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल जैसे विभिन्न क्षेत्रों के लिए लक्ष्य निर्धारित करने के लिए मुख्यमंत्री और उनकी टीम के साथ मिलकर काम किया। आयोग ने उत्तर प्रदेश में विकास परियोजनाओं की प्रभावी योजना और कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए बहुमूल्य अंतर्दृष्टि, विशेषज्ञता और वित्तीय सहायता प्रदान की। दूसरी ओर, वित्त आयोग ने राज्य सरकार के लिए उपलब्ध वित्तीय संसाधनों को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसने राज्य की वित्तीय स्थिति का आकलन किया, राजस्व धाराओं का विश्लेषण किया और राज्य और केंद्र सरकारों के बीच धन के वितरण पर सिफारिशें कीं। वित्त आयोग के निवेश और सिफारिशों ने सरकार को बजटीय योजना, संसाधन आवंटन और वित्तीय प्रबंधन में मदद की, जिससे विभिन्न विकासात्मक पहलों का कार्यान्वयन संभव हो सका। नौकरशाहों और प्रशासकों सहित राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने नीतियों और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन और निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने मुख्यमंत्री कार्यालय को बहुमूल्य अंतर्दृष्टि, विशेषज्ञता और प्रशासनिक सहायता प्रदान की। इन अधिकारियों ने विकास योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन, कुशल प्रशासन और सार्वजनिक सेवाओं की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री और उनकी टीम के साथ मिलकर काम किया। उनके ज्ञान और अनुभव ने सरकारी तंत्र के सुचारू कामकाज और विकासात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति में योगदान दिया। योजना आयोग, वित्त आयोग और राज्य के वरिष्ठ

अधिकारियों के संयुक्त प्रयास और समन्वय ने सुचेता कृपलानी के कार्यकाल के दौरान नीतियों को आकार देने, संसाधन जुटाने और विकास पहलों को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके सहयोग और विशेषज्ञता ने योजनाओं और कार्यक्रमों के कुशल कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाया, जिससे उत्तर प्रदेश की समग्र प्रगति और कल्याण में योगदान मिला।

निष्कर्ष

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में सुचेता कृपलानी के कार्यकाल में महत्वपूर्ण विकास और पहल देखी गईं, जिनका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों का उत्थान करना और लोगों के जीवन में सुधार करना था। राज्य ने किसानों के लिए उत्पादकता, आधुनिक तकनीक और बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए कृषि सुधारों पर ध्यान केंद्रित किया। औद्योगिक विकास को उन नीतियों के माध्यम से बढ़ावा दिया गया जिन्होंने निवेश को आकर्षित किया और उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा दिया। सरकार ने शिक्षा और सामाजिक कल्याण को प्राथमिकता दी, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और आवास तक पहुंच में सुधार के साथ–साथ हाशिए पर रहने वाले समुदायों के उत्थान की दिशा में काम किया। सड़क, परिवहन, बिजली उत्पादन और शहरी विकास में निवेश के साथ बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान दिया गया।

कुल मिलाकर, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में सुचेता कृपलानी का कार्यकाल प्रगति और परिवर्तन के दौर को दर्शाता है, जो कृषि विकास, औद्योगिक विकास, सामाजिक कल्याण, महिला सशक्तिकरण और कुशल प्रशासन पर केंद्रित पहलों द्वारा चिह्नित है। इन प्रयासों के प्रभाव ने राज्य की भावी वृद्धि और विकास की नींव रखी।

सदर्भ ग्रन्थ सूची

1. बल्दवा, एस. (2020, 25 नवंबर)। सुचेता कृपलानी : महिला मुख्यमंत्री
2. घोष, आर. (2018, 5 मार्च)। सुचेता कृपलानी भारत की पहली महिला मुख्यमंत्री
3. सिरूर, एस. (2018, 1 दिसंबर)। सुचेता कृपलानी भारत की पहली महिला मुख्यमंत्री और अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की संस्थापक।
4. सुचेता कृपलानी अग्रणी भारतीय नारीवादी, स्वतंत्रता सेनानी और राजनीतिज्ञ को याद करते हुए। 11 मार्च 2023 को पुनःप्राप्त,
5. चटर्जी, एम. (2002)। सुचेता कृपलानी वह महिला जिसने साहस किया। संबद्ध प्रकाशक।
6. शर्मा, एस. (1999). सुचेता कृपलानी एक जीवनी। विकास पब्लिशिंग हाउस.
7. देसाई, ए.आर. (1992)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में महिलाओं की भूमिका, 1917–1934। संबद्ध प्रकाशक।
8. बोस, एस. (2016)। भारतीय राजनीति में महिलाएं. ऑक्सफोर्ड यूनिवरसिटि प्रेस।